PWT ⑩

- **Village Administration ; ग्राम प्रशासन / ग्रामीण प्रशासन**

शासन की सबसे छोटी ईकाई ग्राम प्रशासन व्यवस्था थी, अतः शासन को सुचारू रूप से चलाने के उद्देश्य को लेकर इसका निर्माण किया गया था। इसकी देखभाल के लिए गाँव के प्रमुख अथवा प्रमुख के अधिन होती थी। उसे महत्तर भी कहा जाता था। गाँव के शासक के पद पर अक्सर वयोवृद्ध व्यक्ति ही होतें थे अतः इसके सम्बन्ध में विद्वानों ने बताया है कि नगर के श्रेष्ठ व्यक्ति ही इस पद के अधिकारी होतें थे। सम्भवतः वे नगर शासन सभा के सदस्य होतें थे, किन्तु कुछ विद्वानों ने इसे गाँव का ज़मींदार माना है। इस प्रकार से मुखियाँ जिसके बल पर गाँवों का शासन चलाता था, उसकी सहायता देने के लिए कुछ कर्मचारियों की भी नियुक्ति की गयी थी जो कि ग्राम शासन में सहायता प्रदान करतें थें, इस प्रकार ग्रामाक्ष पटलिक गाँव के सभी कागज-पत्रों को सुरक्षित रखतें थें, साथ ही साथ शौलकिक व्यापारियों से Tax की वसूली करतें थें, गौल्मिक इसका काम निरीक्षण करना था। कुछ विद्वानों ने इसे जंगलों का ही निरीक्षक बताया था/है। ध्रुवादिकरण ; भूमि कर वसूलने था वसूल करने का अधिकारी था। पुस्तपाल ; रिकॉर्ड रखने वाला अधिकारी था, दिविर ; सम्भवतः क्लर्क या लिपिक को कहा जाता था। इसी प्रकार शासयितृ का भी नाम आता है, जिसके जिम्में प्रशासकीय कागज-पत्रों की लिपियाँ या प्रतिलिपियाँ तैयार करना था। इस प्रकार से इन सभी प्रमुख अधिकारीयों द्वारा गाँवों का शासन प्रबन्ध सुचारू रूप से चलता था तथा ये लोग मुखिया को सहायता देतें थें। सरकारी तौर पर ग्राम शासन संगठित तथा वहाँ के शासन में गैर सरकारी लोगों का भी काफी हाथ था।

इस प्रकार से शासन की सबसे छोटी ईकाइ होने के अलावे, गाँवों का शासन अपने-आप में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती थी जो कि हर्ष के जमाने की एक देन मानी जाती थी, शासन दुरूस्त एवं ठीक तरीके से अधिकारियों के द्वारा ही कार्यान्वित होता रहता था

- **Millitary Administration ; सैनिक व्यवस्था**

ह्वेन्सांग, जिसके विवरण से यह पूर्णतः ज्ञात होता है की अपने सम्राज्य की दृढ़ता एवं स्थायित्व को रखने के लिए साथ ही साथ सम्राज्य को एक सूत्र में बाँधने के लिए हर्ष ने अपनी सैनिक शक्ति को बढ़ाया। कारण की इसी के बल पर आंतीक विप्लवों तथा बाह्य आक्रमणों से सम्राज्य को सुरक्षित रखा जा सकता था। अतः चिनी यात्री के अनुसार उसने अपने सम्राज्य को बढ़ाकर अपनी सेना की संख्या में वृद्धि की। साथ ही साथ गज सेना की संख्या बढ़ाकर 60,000 हजार और अश्वसेना की शक्ति 1,00,000 कर दी गयी। हाथी उसे स्थानीय राजाओं के द्वारा दान में मिलें थें।